Title: Regarding need to bring down the prices of petroleum products in the country - Laid.

श्री रामजीलाल ्सुमन (फिरोजा्बाद) : महोद्य, गत ्सितम्बर माह के दौरान अन्तर्रा्ट्रीय ्बाजार में ्क्रूड आ्यल की कीमत 37 डालर प्रति ्बैरल हो ग्यी थी जो मार्च, 2000 में, ज्ब ्सरकार ने ्बजट ्बना्या था तो ्ये कीमतें 28 डालर प्रति ्बैरल थी। अन्तर्रा्ट्रीय ्बाजार में कीमतें ्बढ़ने के ्बाद ्सरकार ने द्ेश के उप्भोक्ताओं के लिए पैट्रोल, डीजल, एल.पी.जी., केरो्सिन अर्थात् प्रा्य: ्सभी पैट्रोलि्यमों की कीमतें ्बढ़ा दी थीं। अन्तर्रा्ट्रीय ्बाजार में कीमतें ्बढ़ने के कारण ्बतलाकर ्भारती्य उप्भोक्ता ्से अधिक मू्ल्य लेना ्सरकार ने न्या्योचित ठहरा्या था। आज ्ये कीमतें मार्च, 2000 के मू्ल्य ्से नीचे 27 डालर प्रति ्बैरल आ गई हैं। हमारी मांग है कि पैट्रोल, डीजल, एल.पी.जी. एवं कैरो्सिन की कीमतें मार्च, 2000 की कीमतों ्से नीचे लाई जाएं। तेल पूल का घाटा 23000 करो्ड़ रुपए ्बतलाकर कीमतें ्बढ़ा्यी गई थीं। आज ्यह घाटा मात्र 13000 करो्ड़ रुपए का है ज्सि पूरा करने के लिए ्सरकारी तंत्र में ्सुधार कर पूरा कि्या जा ्सकता है।

अत: हमारा आग्रह है कि तत्काल द्ेश में ्सरकार पैट्रोल, डीजल, कैरो्सिन एवं एल.पी.जी. की ्बढ़ी कीमतें ्वाप्सि ले।